रात्रीक्लास ओमशांति 25.10.66

इस सृष्टि रूपी ड्रामा के अंदर हमेशा लिखते हैं कि बहुत पैसे वाला कौन?बहुत उॅच मर्तबे वाला कौन?ऐसे2 अखबारों में डालते हैं।अब उंच ते उंच तो शिवबाबा गाया जाता है।फिर है ब्र.वि.शंकर ,थर्ड नम्बर में देवतायें, फिर क्षत्रिय।पहले तो उंच है शिवबाबा फिर प्रजापिता ब्रह्मा।अब संगम पर ऐसे उंच ते उंच बाप में मुलाकात देखो कौन करने आये हैं?बूढ़े और बूढ़ियां अति साधारण।यह ड्रामा का वंडर है ना।उंच ते उंच बाप से गरीबों की मुलाकात।कहते हैं बाप से दादा द्वारा हम स्वर्ग का वर्सा लेने आये हैं।इनसे भी गरीब आवेंगे।वृद्धि को पावेंगे।पटना को दो प्रदर्शनियां मिली हैं।अब गांव2 में जाकर समझाओ।उंच ते उंच परमपिता परमात्मा है।वो सब ही आत्माओं का बाप है।फिर प्रजापिता ब्रह्मा जिसको आदिदेव ग्रेट2 ग्रैंड फादर कहते हैं।अब तुम जावेंगे शांतिधाम ,फिर आवेंगे सुखधाम दैवी कुल में।इस समय तुम हो शिवबाबा के और ब्रह्मा की सन्तान।बाबा भी हैं ब्रह्मा भी हैं।शिवबाबा के पोत्रे, ब्रह्मा के बच्चे।तो बच्चों के खुशी का पारा चढ़ना चाहिए ना।तुम ईश्वरीय कुल के हो।बाप से वर्सा ले रहे हो।जितना2 गांवों में जाओगे उतना ही अच्छा है।तो गरीब जो हैं वो स्वर्ग के मालिक बन जावें।इसलिए बाबा प्रदर्शनी पर जोर देते हैं कि जल्दी2 बन जाये।बाबा को गांवों के बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं।भगवान बैठ बूढियों को पढ़ाते हैं जो जाय स्वर्ग के महाराजा–महारानी बन सकते हैं।सिर्फ श्रीमत पर चलते रहें।बाप और वर्से को याद करना कितना सहज है।इसमें संशय की बात उठ नहीं सकती।गाया भी जाता है ब्रह्मा द्वारा नई दुनियां रचते हैं तो जरूर वर्सा भी देंगे ना।अबलाओं, गणिकाओं, अजामिल जैसे पापियों को वर्सा मिलता है।सारी मेहनत है ही याद की।याद में माया के तूफान भी जरूर आवेंगे।सिवाय एक बा पके और किसी को याद करना ही नहीं है;क्योंकि वर्सा शिवबाबा से ब्रह्मा द्वारा मिलता है।सब भाइयों को शिवबाबा से मिलता है।रोटी टुकड़ खाना और शिवबाबा के गुण गाना।कमाल है।रास्ते चलते बाप मिला।तो तुम बच्चों को खुशी मनानी चाहिए ना।ओमशांति।